http://www.sgbauonline.com/

Bachelor of Performing Arts (BPA–I) Examination

INDIAN MUSIC (THEORY)—IV

Paper—I

(Indian Vocal and Instrumental)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 50

Note :—(1) All questions are compulsory.

(2) All questions carry equal marks.

1. Describe in brief 'Purvang' and 'Uttarang' with suitable example.

OR

Describe the technique or pattern of '484 raga mathematic pattern' in one That.

2. Define the following :—

(1) Murchana

(2) Vadi

(3) Gram

(4) Pakad

(5) Varj Swar.

OR

(a) Write features of 'Naad'.

(b) Describe in short 'Geet-Gandharv-Gaan'.

3. Describe the following : —

(1) Badakhayal

(2) Chotakhayal

(3) Dhrupad

(4) Tarana

(5) Lakshangeet.

OR

Describe the various Taal which we have used in different music forms.

4. Describe Raga jati from the total number of Swar.

OR

Describe the importance of shuddha 'Re' and 'Dha' in Raga Samay Chakra.

5. Write virtues and vices of singer and musician.

OR

Write the impact of Loksangeet on classical music in modern period.

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

Bachelor of Performing Arts (BPA–I) Examination

INDIAN MUSIC (THEORY)—IV

Paper—I

(Indian Vocal and Instrumental)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 50

(मराठी माध्यम)

नोट :— (1) सर्व प्रश्न आवश्यक.

(2) सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. पुर्वांग आणि उत्तरांग या बद्दल सविस्तर वर्णन करा (उदाहरण सहित)

किंवा

एका थाटातून 484 राग गणितीय पद्धतीनुसार समझवा.

2. खालील शब्दांची व्याख्या लिहा :

(1) मुर्च्छना

(2) वादी

(3) ग्राम

(4) पकड

(5) वर्ज्यस्वर

किंवा

(अ) नादाची वैशिष्ट्ये थोडक्यात लिहा.

(ब) गीत गांधर्व-गान या बद्दल माहिती द्या.

3. दिलेल्या प्रबंध प्रकारची माहिती द्या : –

(1) बडाख्याल

(2) छोटाख्याल

(3) ध्रुपद

(4) तराणा

(5) लक्षणगीत.

किंवा

वेगवेगळ्या प्रबंध प्रकारासाठी आपण कोणकोणते ताल वापरतो समजावून सांगा.

4. स्वर संख्येवरून राग जाती सविस्तर समजावून सांगा.

किंवा

राग समय चक्रात रे-ध शुद्ध या स्वरांचे महत्व विशद करा.

5. गायक आणि वादकांचे गुण दोन स्पष्ट करा.

किंवा

आधुनिक युगात शास्त्रीय संगीतावर लोकसंगीताचा प्रभाव आपले विचार मांडा.

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

Bachelor of Performing Arts (BPA–I) Examination

INDIAN MUSIC (THEORY)—IV

Paper—I

(Indian Vocal and Instrumental)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 50

(हिन्दी माध्यम)

नोट :— (1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।

(2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. पूर्वांग और उत्तरांग को उदाहरण सहित सविस्तार वर्णन कीजिए।

अथवा

एक थाट से 484 राग गणितीय पद्धति से समझाइये।

2. निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा लिखिए :—

(1) मूर्च्छना

(2) वादी

(3) ग्राम

(4) पकड़

(5) वर्ज्यस्वर।

अथवा

(अ) नाद की विशेषता संक्षेप में समझाइए।

(ब) गीत-गंधर्व-गान के बारे में जानकारी दीजिए।

3. निम्नलिखित प्रबंध प्रकारों की जानकारी दीजिए :—

(1) बडाख्याल

(2) छोटाख्याल

(3) ध्रुपद

(4) तराणा

(5) लक्षणगीत।

अथवा

अलग-अलग प्रबंध प्रकारों के लिए आप कौन-कौन से तालों का उपयोग करते हैं, समझाइए।

4. स्वर संख्या पर आधारित राग जाति विस्तारपूर्वक समझाइए।

अथवा

राग समय चक्र में रे-ध शुद्ध स्वरों का महत्व स्पष्ट कीजिए।

5. गायक और वादकों के गुण-दोष स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आधुनिक युग में शास्त्रीय संगीत पर लोक-संगीत के प्रभाव का अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/